

क्रमांक 443-ज(I)-76/11471.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री हरी राम, पुत्र श्री परम राम, गांव द्वारका, तहसील दादरी, जिला भिवानी को रबी, 1973 से 150 रुपये रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 588-ज(I)-76/11475.—कौरीजंढम.—हरियाणा सरकार, राजस्व विभाग की अधिसूचना क्रमांक 3055-ज(I)-75/2392, दिनांक 23 जनवरी, 1976 जो कि हरियाणा सरकार के राजपत्र दिनांक 3 फरवरी, 1976 में प्रकाशित हुई है, की तीसरी लाइन में शब्द "चन्द्रावती" के बजाय शब्द "चन्द्रावली" पढ़ा जाए।

दिनांक 16 अप्रैल, 1976

क्रमांक 297-ज-I-76/11531.—श्री बिरजू सिंह, पुत्र श्री पंजी सिंह, गांव नांगल की ढाणी, तहसील व जिला महेंद्रगढ़ (अब भिवानी) की दिनांक 10 जुलाई, 1973 को हुई मृत्यु के परिणाम स्वरूप, हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये सहर्ष आदेश देते हैं, कि श्री बिरजू सिंह को मल्लिग 150 रुपये वार्षिक की जागीर, जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 10707-ज-(III)-66/18348, दिनांक 22 अगस्त, 1966 तथा 5041-र-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती सारबाई के नाम रबी, 1974 से 150 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील की जाती है।

क्रमांक 570-ज(II)-76/11535.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1) तथा 3(1) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल निम्नलिखित व्यक्तियों को वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर उन के सामने दी गई फसल तथा राशि एवं सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं :—

क्रमांक	जिला	जागीर पाने वाले का नाम	गांव का पता	तहसील	फसल/वर्ष जब से जागीर दी गई	वार्षिक राशि
1	2	3	4	5	6	7
						रुपये
1	रोहतक	श्रीमती कपूरी देवी, विधवा श्री सरदारा सिंह	कलिंगा	रोहतक	रबी, 1973 से	150
2	रोहतक	श्री जुग लाल, पुत्र श्री मेहर चन्द	विठला	अज्जर	रबी, 1973 से	150

क्रमांक 532-जI-76/11539.—श्री चेत सिंह, पुत्र श्री लाभ सिंह, गांव बालछप्पर, तहसील जगाधरी, जिला अम्बाला को दिनांक 8 मार्च, 1973 को हुई मृत्यु के परिणामस्वरूप हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये सहर्ष आदेश देते हैं, कि श्री चेत सिंह को मल्लिग 200 रुपये वार्षिक की जागीर, जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 3387-र(III)-69/19627, दिनांक 7 अगस्त, 1969 तथा 5041-र-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 द्वारा मंजूर की गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती पुन्ना कौर के नाम खरीफ, 1973 से 200 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत तबदील की जाती है।